Hindustan Times
(02-04-2015)

Missing girl found dead, cop sent to police station

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

SAGAR/CHHATARPUR: Additional superintendent of police sent Kotwali inspector to the police lines for refusing to register a girl's missing report when approached by her family members.

The girl's body was later recovered from Mausaniya village, police said on Wednesday.

Family members of the dead said that the girl could have been saved if the policeman had acted on time.

Body of the 19-year-old girl, who went missing on Tuesday morning, was recovered from near Dhubela museum in Mausaniya village late last night. Police arrested one Suraj Raikwar, 21, who confessed his crime during interrogation. He claimed the dead had developed a close relationship with him and was blackmailing him for some time.

Police said that Raikwar had crushed the face of the girl to hide her identity.

On Wednesday, the family members of the dead along with residents of Nazarbagh staged an agitation outside Chhatarpur district hospital where the body had been sent for autopsy, following which the Kotwali inspector was attached to police lines.

पीपुल्स समाचार
(04-04-2015)

कनेक्शन लगा नहीं, पर भुगती सजा

अब केस लड़ने के लिए परिवार को छोड़कर इंदौर में कर रहे नौकरी

पीपुल्स स्पेशल

- बच्चों की फीस तक नहीं भर पा रहे, हो रही पढ़ाई प्रभावित

सुमित शर्मा ◆ भोपाल
मो. नं 9425665690

एक तरफ तो लोग ऐसे बड़े-बड़े कारनामें करके खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा है, वहीं एक पीड़ित ऐसा, जिसने न तो कोई गलती की और न ही उसके घर में उसके नाम का बिजली कनेक्शन लगा। इसके बाद भी झूठे केस में सजा सुना दी। यह पीड़ा है रीवा जिले के नईबड़ी थाना क्षेत्र के गांव हरदीतिवलियाम निवासी सुंदरलाल मिश्रा की। गांव के कुछ लोगों ने वर्ष 1995-96 के दरमियान मिलकर एक आवेदन बिजली विभाग को दिया था कि उनके गांव में बिजली का खंभा लगाया जाए। इसके बाद बिजली का खंभा लग गया। कई लोगों के घर में कनेक्शन भी दे दिया गया, लेकिन वहीं के एक निवासी सुंदरलाल मिश्रा के घर न तो कनेक्शन लगा और न ही उन्होंने आवेदन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद भी बिजली चोरी के झूठे केस में जेल की हवा खानी पड़ी और अब केस लड़ने के लिए घर-परिवार को छोड़कर इंदौर में 5 हजार रुपए माह की नौकरी कर रहे हैं। इससे जो पैसा मिलता है उसको वकील को देते हैं। दो बच्चे भी हैं एक 9वीं में एक और 6वीं में, लेकिन उनकी फीस नहीं भर पा रहे हैं। इसके कारण उनकी पढ़ाई-लिखाई प्रभावित हो रही है।

चार साल पहले पिताजी के नाम लगा कनेक्शन

जिस बिजली चोरी के प्रकरण में जेल की हवा तक खा ली अब वह बिजली कनेक्शन उनके घर में चार साल पहले लगाया गया। वह भी उनके पिताजी श्रीराम सलोने मिश्रा के नाम से। इस झूठे प्रकरण में जांच कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने गुहार नहीं सुनी। अब स्थिति यह बनी कि केस लड़ते-लड़ते जमीन तक बिक गई और अब घर-परिवार छूट गया।

गलती हो तो गोली मार दो

सुंदरलाल मिश्रा ने अपनी पीड़ा बताते हुए पीपुल्स समाचार से कहा कि यदि इस प्रकरण में जांच कराई जाए और जांच में मेरी गलती हो तो मुझे बीच चौराहे पर खड़ा करके गोली मार दी जाए। वे बताते हैं कि कई बार ऐसी स्थिति बनी कि आत्महत्या कर लूं, लेकिन मैं इस झूठे कलंक को मिटाकर ही मरना चाहता हूं।